ऐसे समय होते हैं जब भगवान हमारे योजनाओं को बाधित कर देते
हैं

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

एक प्रवक्ता ने कहा था, “भगवान हमारी सफलता से प्रभावित नहीं होते, बल्कि हमारे विश्वास से प्रभावित होते हैं।” यह सुनने में आश्चर्यजनक लग सकता है, खासकर एक ऐसी दुनिया में जो परिणामों का जश्न मनाती है। लेकिन यह एक गहरी बाइबिल की सच्चाई को दर्शाता है। शास्त्र कहता है:

“धर्मी विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा।”
(हबक्कूक 2:4, हिंदी बाइबल सोसाइटी)

दूसरे शब्दों में, भगवान प्रदर्शन से ज्यादा विश्वास को महत्व देते हैं।

कई विश्वासियों का मानना है कि जब उनकी योजनाएं सुचारू रूप से चलती हैं — जब मंत्रालय फलते-फूलते हैं, वित्तीय स्थिति ठीक होती है, और जीवन फलदायक महसूस होता है — तो यह ईश्वरीय स्वीकृति का स्पष्ट संकेत होता है। लेकिन भगवान हमेशा मानवीय तर्क पर काम नहीं करते। वास्तव में, शास्त्र हमें दिखाता है कि कभी-कभी वे सबसे सच्चे प्रयासों को भी बाधित करते हैं — न कि हमें हतोत्साहित करने के लिए, बल्कि हमारी उन पर निर्भरता को गहरा करने के लिए।

ऐसे समय होते हैं जब भगवान हमारे योजनाओं को बाधित कर देते
हैं

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

पॉल प्रेरित का उदाहरण लें। वे सुसमाचार प्रचार के लिए उत्साही थे और मसीह की बात फैलाने के लिए दूर-दूर तक यात्रा करते थे। फिर भी कई बार उनकी योजनाएं बाधित हुईं — कैद, जहाज़ के दुर्घटनाग्रस्त होने, या विरोध के कारण।

प्रेरितों के काम 16:6–7 में पढ़ते हैं:
“पौलुस और उनके साथी फ्रीगिया और गैलेशिया के प्रदेशों में
घूम रहे थे; परन्तु पवित्र आत्मा ने उन्हें एशिया की
प्रान्त में वचन न कहने दिया।”

कल्पना कीजिए कि पवित्र आत्मा ने उन्हें एक निश्चित क्षेत्र में प्रचार करने से रोका। क्यों? क्योंकि भगवान का उद्देश्य पॉल की तत्काल योजना से बड़ा था। कभी-कभी, दिव्य पुनर्निर्देशन बंद दरवाजे की तरह महसूस होता है।

एक अन्य उदाहरण में, पॉल सुसमाचार प्रचार करने के लिए बंदी बनाए गए (प्रेरितों के काम 21–28)। लेकिन इन कैदों के दौरान उन्होंने नया नियम के कई हिस्से लिखे, ऐसे पत्र जो आज भी ईसाई धर्मशास्त्र को आकार देते हैं। इसलिए, भले ही उनका बाहरी मंत्रालय “बाधित” हुआ, भगवान का काम उनके द्वारा कभी बंद नहीं हुआ।

ऐसे समय होते हैं जब भगवान हमारे योजनाओं को बाधित कर देते
हैं

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“और हम जानते हैं कि जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं, उनके
लिए सब बातें मिलकर भलाई करती हैं।”
(रोमियों 8:28,)

हम यह बात यिर्मयाह की जीवन में भी देखते हैं। यिर्मयाह 37 में, परमेश्वर का वचन कहने के बाद, यिर्मयाह को झूठे आरोप में गड्ढे में फेंक दिया गया। भगवान उन्हें इस अन्याय से बचा सकते थे — पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। क्यों? क्योंकि विश्वास केवल सुगमता और आराम पर नहीं बनता। यह उन क्षणों में मजबूत होता है जब हम चुनते हैं कि परमेश्वर हमारे साथ हैं। जैसा कि यिर्मयाह ने बाद में लिखा:

“धन्य है वह जो यहोवा पर विश्वास करता है, और जिसका विश्वास यहोवा है।”
(यिर्मयाह 17:7,)

यहाँ तक कि यीशु भी अपने सांसारिक सेवाकाल में बाधाओं का सामना करते थे। मरकुस 6:31–34 में, यीशु ने अपने शिष्यों को सेवा के बाद विश्राम करने कहा, परन्तु एक बड़ी भीड़ ने उन्हें ढूंढ

ऐसे समय होते हैं जब भगवान हमारे योजनाओं को बाधित कर देते
हैं

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

लिया। दया से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी योजना बदली और उन्हें पढ़ाया। यह हमें दिखाता है कि प्रेम अक्सर लचीलेपन की मांग करता है। परमेश्वर की सेवा कभी-कभी दूसरों की भलाई के लिए अपनी योजनाओं को बदलने का मतलब होती है।

व्यावहारिक रूप से इसका मतलब है: जब भगवान आपके जीवन को बाधित करता है — जब आपके लक्ष्य, दिनचर्या या सपने अचानक उलट जाते हैं — तो यह हमेशा किसी गलत चीज़ का संकेत नहीं होता। कभी-कभी, यही वह जगह होती है जहां विश्वास जन्म लेता है। जोसेफ पोटीफर के घर में वफादार था, फिर भी जेल में डाल दिया गया (उत्पत्ति 39)। लेकिन वहीं:

“यहोवा जोसेफ के साथ था और उसने उसे कृपा दिखाई।”
(उत्पत्ति 39:21,)

तो जब आपकी योजनाएं टूट जाएं — जब आप विलंब, निराशा, या दिव्य मोड़ का सामना करें — तो हिम्मत न हारें। लोग कह सकते हैं, “अगर तुम्हारा भगवान परवाह करता है, तो उसने ऐसा क्यों होने दिया?” लेकिन वे नहीं समझते कि भगवान जीवन को आसान बनाने में नहीं लगे हैं। वे मसीह को हमारे अंदर बनाने में लगे हैं।

ऐसे समय होते हैं जब भगवान हमारे योजनाओं को बाधित कर देते
हैं

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

“जिन्हें परमेश्वर ने पहले से जान लिया, उन्हें उसने यह भी पूर्व निर्धारित किया कि वे उसके पुत्र की छवि के समान बनें।”
(रोमियों 8:29,)

विश्वास का मतलब है यह मानना कि भगवान अभी भी काम कर रहे हैं, भले ही कुछ भी समझ में न आए। और क्योंकि वह वफादार है, वह आपको वहीं नहीं छोड़ेंगे।

भजन संहिता 37:23–24 हमें याद दिलाता है:

“यहोवा मनुष्य के कदमों को दृढ़ करता है, जो उससे प्रेम करता है; यदि वह गिर भी जाए तो न गिरेगा, क्योंकि यहोवा उसे अपने हाथ से थामे रहता है।”

इसलिए जब भगवान आपकी योजनाओं को बाधित करें तो निराश न हों—उनके नाम के लिए। उन पर भरोसा रखें। वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं, और वे हर मौसम में आपकी शक्ति बढ़ाएंगे।

ऐसे समय होते हैं जब भगवान हमारे योजनाओं को बाधित कर देते हैं

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

शालोम।

Share on:
WhatsApp